

॥ वसन्तवहार ॥

व

ग्रीष्म (गरम) ।

जिसको

सिद्धि जाधिराज श्रीसीतारामचन्द्रहाण
त्राधिकारी श्रीमहाराजासाहबबहादुर श्री १०८ व्यङ्क-
टरमण रामानुजप्रमादभिहू डेवजी सी यस आर्द
के जन्मोत्सव मे राज्य रीवा
तहसील काव्यविहारी श्री कविन्दरिगेमणि मिश्र
ने-करजन हेडमाष्टर ने वसन्तऋतु व ग्रीष्म का
वर्णन मनोहर कवित्तो मे करके बनाया ।

मूल पुस्तक के छाप्रये का सर्वविधि अ
धिकार श्री बाबू सम्पा-
दक भारतजीवन को है ।

॥ काशी ॥

भारतजीवन यन्त्रालय मे मुद्रित हुई ।

सन् १९०३ ई० ।